

ગરમી સે હિફાઝત કે મ-દની ફૂલ (રોઝોં મેં આસાની કે નુસ્ખે)

- હીટ સ્ટ્રોક કી 12 અલામાત 3
- ગરમી જિન કે લિયે ઝિયાદા ખતરનાક હૈ 4
- ગરમી કી દુઆ કી ફઝીલત 4
- પ્યાસ કે તીન રૂહાની ઈલાજ 7
- ગરમી સે બચને કે લિયે 25 મ-દની ફૂલ 10



શૈખે તરીકત, અમીરે અહલે સુન્નત, બાનિયે દા'વતે ઇસ્લામી, હમરતે અલ્લામા મૌલાના અબુ બિલાલ

મુહમ્મદ ઇલ્યાસ અત્તાર કાદિરી ર-ઝવી دَامَتْ بَرَكَاتُهُمْ
الْعَالِيَهُ

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
أَمَّا بَعْدُ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

किताब पढने की दुआ

अज : शौभे तरीकत, अमीरे अहले सुन्नत, भानिये दा'वते ईस्लामी, हजरते अल्लामा
मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद ईल्य़ास अत्तार कादिरि र-जवी دامت بركاتهم العالیہ

दीनी किताब या ईस्लामी सबक पढने से पहले ज़ैल में दी हुई दुआ पढ
लीजिये إن شاء الله ज़ो कुछ पढ़ेंगे याद रहेगा. दुआ येह है :

اللَّهُمَّ افْتَحْ عَلَيْنَا حِكْمَتَكَ وَأَنْشُرْ
عَلَيْنَا رَحْمَتَكَ يَا ذَا الْجَلَالِ وَالْإِكْرَامِ

तरजमा : ओ अल्लाह ! हम पर ईल्मो छिक्मत के दरवाजे खोल दे और हम पर
अपनी रहमत नाज़िल इरमा ! ओ अ-उमत और बुजुर्गा वाले !

(المُستطرف ج ١ ص ٤٠٠ دارالفكر بيروت)

नोट : अव्वल आभिर ओक ओक बार दुइद शरीफ़ पढ लीजिये.

तालिबे गमे मदीना
व बकीअ
व मग़िदरत
13 शव्वालुल मुकर्रम 1428



गरमी से छिड़काव के म-दनी झूल

येह रिसाला (गरमी से छिड़काव के म-दनी झूल)

शौभे तरीकत, अमीरे अहले सुन्नत, भानिये दा'वते ईस्लामी हजरत
अल्लामा मौलाना अबू बिलाल मुहम्मद ईल्य़ास अत्तार कादिरि र-जवी ज़ियाई
دامت بركاتهم العالیہ ने उईदू ज़बान में तहरीर इरमाया है.

मजलिसे तराजिम (दा'वते ईस्लामी) ने ईस रिसाले को गुजराती रस्मुल
पत में तरतीब दे कर पेश किया है और मक-त-बतुल मदीना से शाअअ करवाया है.
ईस में अगर किसी जगह कमी बेशी पाअें तो मजलिसे तराजिम को (ब जरीअअे
मक्तूब, ई-मेईल या SMS) मुत्तलअ इरमा कर सवाब कमाईये.

राबिता : मजलिसे तराजिम (दा'वते ईस्लामी)

मक-त-बतुल मदीना, सिलेक्टेड हाउस, अलिफ़ की मस्जिद

के सामने, तीन दरवाज़ा, अहमदआबाद-1, गुजरात

MO. 9374031409 E-mail : translationmaktabhind@dawateislami.net

الْحَمْدُ لِلَّهِ رَبِّ الْعَالَمِينَ وَالصَّلَاةُ وَالسَّلَامُ عَلَى سَيِّدِ الْمُرْسَلِينَ
 مَا بَعُدَ فَأَعُوذُ بِاللَّهِ مِنَ الشَّيْطَانِ الرَّجِيمِ بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

गरमी से डिङ्कात के म-दनी झूल

(रोजों में आसानी के नुस्खे)

शैतान लाभ सुस्ती ढिलाओ येड रिसाला (19 सङ्घात) पूरा पढ
 कर अपनी दुन्या व आभिरत का लला कीजिये.

दुइ शरीफ की इमीलत

ताबेई बुजुर्ग उजरते सय्यिदुना का'बुल अउभार رَحْمَةُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ
 इरमाते हैं : अद्लाह عَزَّوَجَلَّ ने उजरते सय्यिदुना मूसा कलीमुद्लाह
 की तरफ वलय इरमाई : ओ मूसा (عَلَيْهِ السَّلَام) ! क्या
 तुम याउते हो, के मउशर की ध्यास से मउकूज रहो ? अऊ की : ओ मेरे
 रभ ! हां. इरमाया : فَكَثُرِ الصَّلَاةُ عَلَى مُحَمَّدٍ يا'नी उजरते मुहम्मदे मुस्तइ।
 (ابن عساکر ج ٦١ ص ١٠٠ مُخَصَّصًا) पर कसरत से दुइदे पाक पढो.

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللَّهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

गरमी का मौसिम ने'मत है

الْحَمْدُ لِلَّهِ عَزَّوَجَلَّ गरमी का मौसिम ली अद्लाह तआला की ने'मत
 है और इस में बे शुमार डिङ्कमते हैं. गरमी की शिदत बढ जाओ तो सभ्र
 से काम लेना याहिये. सरदी और गरमी को बुरा कइना बहुत मा'यूब है
 गरमी के मौसिम का गिला शिक्वा करने वाला ओक तरह से गरमी को

करमाने मुस्तफ़ा عَلَيْهِ السَّلَامُ : जिस ने मुज पर अक बार दुरद पाक पढा अस्लाह उस पर दस रकमते नाज़िल करमाता है. (مسلم)

पैदा करने वाले की शिकायत कर रहा है गोया कइ रहा है के देभो !
अस्लाह तआला ने गरमी बढा दी है !

आग देभ कर बेडोश हो गये ! (डिकायत)

बन्देभे मोमिन को याहिये के गरमी की शिदत से अपने लिये
ईभ्रत का सामान करे, दुन्यवी गरमी के जरीअे मइशर की गरमी और
जहन्नम की डोलनाक आग को याद करना याहिये के आज जब दुन्या की
मा'भूली गरमी सही नहीं जा रही तो कल मइशर में वोड डोलनाक
गरमी और आग क्यूंकर बरदाश्त की जा सकेगी ! दा'वते ईस्लामी के
ईशाअती ईदारे मक-त-बतुल मदीना की मत्बूआ 625 सङ्घात पर
मुश्तमिल किताब, अस्लाह वालों की भाते (जिल्द 2) सङ्घा 177 ता 178
पर है : उजरते सय्यिदुना अक बिन माईज رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ बयान करते हैं
के अक मर्तबा (ताबेई बुजुगी) उजरते सय्यिदुना रबीअ बिन ખुसैम
رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ और (सहाबिये रसूल) उजरते सय्यिदुना अब्दुल्लाह बिन
मस्उद رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ दरियाअे कुरात के कनारे चलते हुअे लोडारों के पास
से गुजरे. उजरते सय्यिदुना रबीअ बिन ખुसैम رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ ने जब
बह्नी की आग देभी तो (उन्हें जहन्नम की भौङ्नाक आग याद आ गई
और) बेडोश हो कर जमीन पर तशरीङ् ले आअे. (हम उन्हें उठा कर उन
के घर ले आअे) उजरते सय्यिदुना अब्दुल्लाह बिन मस्उद رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ
उन की तरङ् पलटे और उन्हें आवाज दी लेकिन उन्होंने ने कोई जवाब न
दिया. आप رَضِيَ اللَّهُ تَعَالَى عَنْهُ तशरीङ् ले गअे और लोगों को अस्र की नमाज
पढा कर वापस तशरीङ् लाअे फिर आवाज दी लेकिन जवाब न मिला.
फिर तशरीङ् ले गअे, मगरिब की नमाज पढा कर लौटे और आवाज दी

करमाने मुस्तफ़। صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : उस शप्स की नाक भाक आवूद हो जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुज पर दुरेदे पाक न पडे. (ترمذی)

लेकिन रबीअ बिन जुसैम رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُ की तरफ़ से फिर भी कोई जवाब न मिला (फ़िर तशरीफ़ ले गये, एशा की नमाज पढा कर लौटे और आवाज दी लेकिन उन की तरफ़ से फिर भी कोई जवाब न मिला) उता के स-हरी के वक्त सरदी के बाईस होश में आये.

(الزهّد للامام احمد بن حنبل ص ۳۳۲ حدیث ۱۹۳۰، جلیّة الاولیاء ج ۲ ص ۱۲۹)

अद्लाहु रब्बुल एज़्ज़त उन सब पर रहमत हो और उन के सदके हमारी बे हिसाब मफ़िरत हो.

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

4800 अम्वात

हम दुन्या व आभिरत की गरमी की होलनाकियों से अद्लाह तआला की पनाह याहते हैं, बस आङ्कियत, आङ्कियत और आङ्कियत के तलब गार हैं. 1436 हि. (2015 ई.) में पाकिस्तान सप्त गर्भियों की लपेट में आ गया और एसी दौरान र-मजानुल मुबारक भी जल्वा गर हुवा था, अेक एत्तिलाअ के मुताबिक उन दिनों सिर्फ़ बाबुल मदीना (कराची) के अन्दर “हीट स्ट्रोक” या’नी गरमी लगने के सबब यार हज़ार आठ सो (4800) अम्वात हुई थीं ! उन में जितने मुसल्मान थे अद्लाहु रब्बुल एज़्ज़त उन सब की बे हिसाब मफ़िरत इरमाये.

أَمِينِ بِجَاهِ النَّبِيِّ الْأَمِينِ صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ

हीट स्ट्रोक या लू लगने की 12 अलामात

❁ सर दर्द, यक्कर आना या सर धूमना ❁ सप्त प्यास लगना
❁ कमजोरी और पट्टों (मसल, Muscles) में प्बियाव ❁ जिल्द (Skin)

झरमाने मुस्तङ्क : صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जोे मुञ्ज पर दस भरतभा दुरुदे पाक पढे अल्लाह उस पर सो रहमते नाजिल झरमाता है. (طبرانی)

पर सुर्भी और ❀ पुशकी आना ❀ अयानक तेज बुपार यढना ❀ उलटी और मतली आना ❀ बेडोशी या ञटके आना ❀ नकसीर झूटना (या'नी नाक से पून बडना) ❀ लम्बी और बडी बडी सांसें शुझअ डो ञाना ❀ B.P. अेक दम Low डोना ❀ गुनू-दगी (या'नी ञिंध, नींद) तारी डोना.

धृतिदार्ध तिब्बी धमदाह के सात म-दनी झूल

❀ जिसे गरमी या लू लग गध डो उस को पानी और निमकोल पिवाधये ❀ झौरन ठन्डी ञगड मुन्तकिल कर दीजिये ❀ गैर ञडूरी कपडे उतार दीजिये ❀ बिगैर तक्ये के लिटा कर टांगों को किसी चीञ्ज के सडारे कदरे बुलन्ध कर दीजिये ❀ बई या ठन्डे पानी की पड्डियां पुसूसन पीठ, बगल, गरदन और रानों पर रभिये ❀ ठन्डे पानी से लीगा डुवा तोलिया (Towel) बदन पर नरमी के साथ रगडिये ❀ ञल्टी अस्पताल ले ञाधये.

शिदत की गरमी जिन के लिये ञियादा ञतरनाक है

❀ बय्ये ❀ बूढे ❀ बे धर अझराद ❀ सूरज की तपिश में मञ्दूरी करने वाले ❀ नशे के आदी ❀ जोे तवील अर्से से किसी बीमारी में मुन्तला डों या जोे लम्बे अर्से तक दिल या सांस के मरीञ्ज रहे डों ❀ परिन्धे और ञानवर.

صَلُّوْا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

गरमी की दुआ की झूलीत

दुन्या की गरमी की शिदत के वक्त आभिरत की कडी धूप और

इरमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा ठिक़ हुवा और उस ने मुज पर दुरदे पाक न पढा तलकीक़ वोह बढे भप्त हो गया. (ابن سنی)

तडपा देने वाली प्यास नीज जहन्नम की फौज़नाक आग को याद कर के उन से पनाह मांगिये. इरमाने मुस्तफ़ा صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जब सप्त गरमी छोती है तो बन्दा कहता है : لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ आज बडी गरमी है ! اللَّهُمَّ اجْرِيْ مِنْ حَرِّ جَهَنَّمَ-“ मुझे जहन्नम की गरमी से पनाह दे. अल्लाह (عَزَّوَجَلَّ) दोज़भ से इरमाता है : “मेरा बन्दा मुज से तेरी गरमी से पनाह मांग रहा है और मैं तुझे गवाह बनाता हूँ के मैं ने इसे तेरी गरमी से पनाह दी.” और जब सप्त सरदी छोती है तो बन्दा कहता है : لَا إِلَهَ إِلَّا اللَّهُ आज कितनी सप्त सरदी है ! اللَّهُمَّ اجْرِيْ مِنْ زَمَلِهِرِ جَهَنَّمَ-“ मुझे जहन्नम की जम-हरीर से बया. अल्लाह तआला जहन्नम से कहता है : “मेरा बन्दा मुज से तेरी जम-हरीर से पनाह मांग रहा है और मैं ने तेरी जम-हरीर से इसे पनाह दी.” सलाबअे किराम عَلَيْهِمُ الرِّضْوَان ने अर्ज़ की : जहन्नम की जम-हरीर क्या है ? इरमाया : “वोह अेक गढा है जिस में काफ़िर को केंका जाअेगा तो सप्त सरदी से उस का जिस्म टुकडे टुकडे हो जाअेगा.”

(البدور السافرة ص ٤١٨ حديث ١٣٩٠)

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

बिगैर उम्मे शर-ध अेक रोज़ा

छोडने वाला भी जहन्नमी है

जब तक शरीअत धजाजत न दे उस वक्त तक गरमी की वजह से रोज़ा छोडना जाधज नहीँ. याद रभिये ! जान बूज कर र-मजान का अेक रोज़ा भी जिस ने तर्क किया वोह सप्त अजाबे नार का लकदार है.

करमाने मुस्तफ़ा صَلَّ اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुज पर सुबह व शाम दस दस बार हुइरे पाक पढा उसे क्रियामत के दिन मेरी शफ़ाअत मिलेगी. (مجمع الزوائد)

इतावा र-जविय्या जिल्द 20 सफ़हा 228 पर है : “अगर धूप में काम करने के साथ रोज़ा हो सके और आदमी मुकीम हो मुसाफ़िर न हो तो रोज़ा फ़र्ज़ है. और अगर (धूप में काम करने के साथ रोज़ा) न हो सके, रोज़ा रफने से भीमार पड जाअे, ज-ररे कवी (या’नी सप्त तकलीफ़) पडोये तो मुकीम गैरे मुसाफ़िर को औसा (धूप में) काम करना हराम है.” (तफ़सीली मा’लूमात के दिये कैजाने सुन्नत जिल्द अव्वल का बाब “कैजाने र-मजान” पढिये)

सप्त गरमी में रोज़े रफतीं (डिफ़ायत)

मेरे आका आ’ला हजरत ईमाम अहमद रजा प्यान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن “इतावा र-जविय्या” जिल्द 30 सफ़हा 296 पर अेक डिफ़ायत बयान करते हैं : राडे डिजरत में ईन्हें (या’नी सहाबियअे रसूल हजरते सय्यि-दतुना उम्मे औमन رَضِيَ اللهُ تَعَالَى عَنْهُمَا) को प्यास लगी, आस्मान से नूरानी रस्सी में अेक डोल उतरा, पी कर सैराब हुई, फिर कभी प्यास न मा’लूम हुई, सप्त गरमी में रोज़े रफतीं और प्यास न डोती. (طبقات ابن سيرين ج 8 ص 179 آنحصا) अब तीन इहानी ईलाज बयान किये जाते हैं जिन के करने से اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ गरमी में रोज़ा रफना कदरे आसान हो जाअेगा.

शिदते प्यास के तीन इहानी इलाज

﴿1﴾ भा’दे नमाजे फ़ज अठिजु और बिस्मिल्लाह के साथ सिर्फ़ अेक बार सू-रतुल कौसर पढ कर हाथों पर दम कर के चेहरे पर कैर लीजिये, रोज़े की हालत में اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ प्यास की शिदत से डिफ़ाजत डोगी ﴿2﴾ يَا حَيُّ يَا قَيُّوْمُ गरमियों में वक्तन इ वक्तन पढते रहिये اِنْ شَاءَ اللهُ عَزَّوَجَلَّ

करमाने मुस्तकاً عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दुरुद शरीफ न पढा उस ने जफ़ा की. (عبدالرزاق)

प्यास से अमन मिलेगा ﴿3﴾ **يَا مَاجِدُ** 10 बार पढ कर “लीमू पानी” वगैरा पर दम कर के गरमी के मौसिम में पियें, **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** भीमारी से डिङ्गात होगी.

रोज़े में प्यास की शिदत से डिङ्गात के लिये

स-हरी भा कर अक भजूर यबाँये और साथ ही पानी का अक घूंट मुँह में भर लीजिये, दोनों को अच्छी तरह छिटा जुला कर (Mix कर के) निगल लीजिये. इसी तरीके पर अक अक कर के तीन भजूरें भाँये, **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ عَزَّوَجَلَّ** रोज़े में सारा दिन प्यास की शिदत से डिङ्गात होगी.

लू से डिङ्गात के 6 घरेलू घलाव

❁ धूप में निकलने से कबल क्य़ी पियाज़ घिस कर नाभुनों पर लगा लीजिये. (याद रहे ! क्य़ी पियाज़ की या किसी भी तरह की बढबू की डालत में मस्जिद का दाखिला हराम है) ❁ क्य़े आम (या'नी केरी) का लेप बना कर पाँउ के तल्वों पर मादिश कीजिये ❁ तकरीबन 250 ग्राम बेसन (या'नी यने की दाल के आटे) में 10 ग्राम काफ़ूर शामिल कर के पानी में घोल कर बदन पर लगाने से ठन्डक मिलती है और गरमी दाने भी नहीं छोते (अगर काफ़ूर शामिल न करें तब भी झ़ाअेदा हो सकता है मगर कम) ❁ टमाटर की यटनी या नारियल भाँये ❁ गर्भियों में पाना पाने के बा'द गुड पाने से लू नहीं लगती ❁ धूप से आने के बा'द पियाज़ का थोडा सा रस शहूँद में मिला कर याटने से लू लगने का पतरा कम हो जाता है.

इरमाने मुस्तक। عَمَلُ اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जो मुज पर रोजे जुमुआ दुरद शरीक पढेगा में डियामत के दिन उस की शकाअत करेगा. (جمع الجوامع)

पाने में ठन्डे मसाले घस्ति'माल डीजिये

❦ 1 ❧ गर्भियों में गर्म (तासीर वाले) मसाले के बजाये ठन्डे (या'नी ठन्डी तासीर वाले) मसाले म-सलन हल्दी, पुशक धनिया, सफ़ेद जीरा, धलायची, दारचीनी, टमाटर, लीमू, दही, आलू बुभारा, धमली, हरा धनिया, पोदीना वगैरा पाने में डालने मुनासिब होते हैं, गर्म मसाले डालने हों तो काली भिर्य, हरी भिर्य या पिसी हुँठ लाल भिर्य वगैरा कम भिक्दार में डालिये.

ठन्डी तासीर वाले घत्रियात घस्ति'माल डीजिये

❦ 1 ❧ गर्भियों में अस्थी अस्थी निय्यतों के साथ ठन्डी तासीर वाले धत्रियात म-सलन शमा-मतुल अम्बर, छिना, गुलाब, सन्दल, मोतिया, अस, केवडा, यम्पा वगैरा कपड़ों पर लगाना मुझीद है. मुशक, कस्तूरी, उद, अम्बर, ज़ा'फ़रान वगैरा धत्रियात गर्म तासीर वाले हैं, येह सधियों में लगाने याछिअें. याद रभिये ! येह तासीरात अस्ली धत्रियात की हैं, केमीकल की भिलावट से तासीर में बहुत कमी आ जाती है. (धस्लामी बहनें अैसा धत्र न लगाअें जिस की पुशबू कैलती हो)

र-मजानुल मुबारक सिहहत के साथ गुठारने का नुस्खा

स-हरी में दरभियानी साधज की तन्दूरी रोटी आधी (अगर घरेलू छोटी यपाती हो तो हस्बे ज़रत अेक या दो अदद) और दही के अन्दर कम भिक्दार में चीनी और बेहतर है के ब्राउन शूगर शामिल कर के धस्ति'माल कर लीजिये, अगर मुवाझिक हो तो बेशक आध किलो दही पा लीजिये. धइतार में कम अज कम तीन षजूरें और कुध इल, मगरिब

﴿رَبِّهِمْ﴾ : जिस के पास मेरा जिक्र हुआ और उस ने मुझ पर दृष्टि पाक न पढा उस ने जन्नत का रास्ता छोड़ दिया. (طبرانی)

व ँशा के दरमियान सादा सालन के साथ रोटी (स-हरी वाली मिक्दार में) ढाईये. ۞ سارا भाडे र-मजानुल मुबारक सिद्धत मन्ह रहेगे और नभाडे तरावीह, तिलावत व ँभादत में दिल् लगेगा.

गर्भियों में यावल ढाना मुझीद है

यावल का (तिब के छिसाब से) मिजाज सई है, गरमी में रोजाना यावल ढाने से बदन को ठन्डक मिलती है, गर्भियों में यावल के साथ सञ्जियां ढाना जियादा मुझीद है. दडी ढियडी गर्भियों की बेहतरीन गिजा है. याद रहे ! देग की मसाले दार लजीज बिरयानी सिद्धत की दुश्मन है, पानी में उबले हुअे यावल ढाना मुनासिब है.

गरमी और लू से छिड़काव का लजीज शरबत

हस्बे ज़रत कय्ये आम (या'नी केरियां) ले कर, छिलके उतार कर पानी डाल कर यूल्हे पर यढा दीजिये, दो यार उबाल आने पर केरियां गल ज़अेंगी, मल मसल कर गुठलियां निकाल दीजिये और सारा गूदा ग्रेन्डर में पीस लीजिये, गाढा शरबत बन ज़अेगा, दुगनी मिक्दार में यीनी (बेहतर है के ब्राउन शूगर) मिला कर झिर यूल्हे पर यढा कर ज़ेश दीजिये ताके यीनी हल हो ज़अे. ठन्डा करने के बा'द ढोतलों में लर कर रढ लीजिये. र-मजानुल मुबारक में स-हरी व ँझतार में हस्बे ज़रत पानी मिला कर येह लजीज शरबत पी लीजिये. ۞ गरमी और लू से छिड़काव रहेगी.

कमजोरी दूर करने का गुस्भा

दो यम्मय यीनी (बेहतर है के ब्राउन शूगर) और अेक यम्मय

करमाने मुस्तक: عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ : मुज पर दुइरे पाक की कसरत करो बेशक तुम्हारा मुज पर दुइरे पाक पढना तुम्हारे लिये पाकीजगी का बाँस है. (ابو يعلى)

सकेद नमक, आधे डिलो पानी में डाल कर उबाल लीजिये, ठन्डा हो जाने के बाद इतार में अक गिलास पी लीजिये. जिस्म में होने वाली पानी की कमी और कमजोरी عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ दूर हो जायेगी. मरीजों की कमजोरी दूर करने के लिये भी येड पानी मुझीद है. (शूगर और डायबलड प्रेशर के मरीज डोकटर के मशवरे के मुताबिक अमल करें)

गरमी दानों का धलाज

गरमी दाने सताते डों तो नीम की 11 कोंपलें (नई निकली डुई छोटी छोटी पत्तियां) सात दिन और तकलीफ़ जियादा हो तो 40 दिन तक नडार मुंड (या'नी नाशते से कबल आली पेट) पानी के साथ आ लीजिये عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ गरमी दाने और डोडे कुन्सियां अन्म. अगर गर्मियां शुइअ होने से कबल डी 30 दिन तक येड कोर्स कर लें तो عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ गरमी दाने वगैरा निकलेंगे डी नहीं. (धरेलू धलाज, स. 44)

हैज बन्द होने का धलाज

अगर गरमी या डुशकी के बाँस (औरत का) हैज बन्द हो जाये तो अक कप सोंफ़ के अरक में अक छोटा यम्मय तरबूज के बीज का मज्ज और अक यम्मय शडूद मिला कर सुब्ड व शाम पियें عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ ड़ाअेदा हो जायेगा. पानी डूब कसरत से पियें, डो सके तो रोजाना 12 गिलास पी लें. (धरेलू धलाज, स. 102)

गरमी से बजने के लिये रंग बिरंगे 25 म-दनी झूल

﴿1﴾ जितना डो सके अपनी त्भंवे (या'नी अब्रू, Eyebrow) पानी से तर रभिये. عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ السَّلَامُ इस से लू, गरमी, प्यास की शिदत, टेन्शन, डिप्रेशन

﴿3﴾ **करमाने मुस्तक** عَلَى الْفَتَاوَالَعَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस के पास मेरा जिक्र हो और वोह मुज पर दुरुद शरीफ़ न पढे तो वोह लोगों में से कन्जूस तरीन शप्स है. (مسند احمد)

और सर दई से डिफ़ाजत होगी) ﴿2﴾ यूल्हे वगैरा का 'इस्ति'माल कम कर दीजिये ﴿3﴾ सफ़ेद या ललके रंग का सूती (Cotton का) ढीला लिबास पहनिये. (जुहे नसीब ! 'इस्लामी त्माई सुन्नतों त्बरा सफ़ेद लिबास ज़ैबे तन इरमाओं) ﴿4﴾ हर वक्त छोटा सा तोलिया (Towel) साथ रभिये ताके गरमी महसूस होने पर ठन्डे पानी में गीला कर के सर पर रभा जा सके ﴿5﴾ मशक़त वाले काम से बचना बेहतर है, मजबूरी का लिहाज भीमारी नहीं किया करती. ﴿6﴾ दिन में दो मर्तबा नहाना मुफ़ीद तर है ﴿7﴾ धूप में निकलते वक्त सन ग्लासिज का 'इस्ति'माल आंभों को गरमी से मु-तअस्सिर होने से बचाता है ﴿8﴾ घर से बाहर निकलने की सूरत में पियाज का टुकडा हाथ या जेब में रभिये, बच्चों के गले में डाल दीजिये, لَا شَاءَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَسَلَّمَ लू से डिफ़ाजत होगी ﴿9﴾ फुद पर बराहे रास्त धूप न पडे 'इस का जयाल रभिये और फुसूसन दिन के गर्म तरीन अवकात 11 ता 3 बजे के दौरान साअे में वक्त गुज़ारिये, नमाजे जोहूर के लिये धूप में निकलने वाले 'इस्लामी त्माई सर और गरदन ढांक कर और हो सके तो छत्री के साथ निकलें. (اللَّهُمَّ إِنِّي أَسْأَلُكَ بِرَأْسِكَ) 'इमामा शरीफ़ की सुन्नत अदा करने वालों का सर ढक जाता है और गरदन त्भी छुप सकती है, सर पर सफ़ेद यादर हो तो इवा'ईद मजीद बढ सकते हैं) ﴿10﴾ लोड शेडिंग के दौरान सर पर गीला तोलिया रभिये, हाथ का पंपा 'इस्ति'माल कीजिये और बदन पर पानी डालते रहिये ﴿11﴾ प्यास लगे या न लगे रोज़ाना कम अज कम 12 बल्के हो सके तो 14 गिलास पानी पियें. ('इस भिकदार में गिजाओं के अन्दर भौजूद पानी त्भी शामिल है म-सलन 10 गिलास पानी पीने के 'इलावा इलों और दीगर गिजाओं के जरीअे दो गिलास जितना पानी

करमाने मुस्तफ़اً. عَلَّمَ اللَّهُ مَعَالِ عِلْمِهِ وَالْحَمْدُ لِلَّهِ : तुम जहां भी हो मुज पर दुरुद पढो, के तुम्हारा दुरुद मुज तक पछोयता है. (طبرانی)

पेट में गया तो 12 गिलास हो गये) ﴿12﴾ बदन के पानी और नमकियात का तवाज़ुन बर करार रखने के लिये O.R.S. का 'इस्ति'माल कीजिये. (डाई ब्लाड प्रेशर के मरीज़ डॉक्टर के मशवरे के मुताबिक अमल करें) ﴿13﴾ सतू का शरबत, पीरे का ज्यूस, नारियल का पानी, गन्ने का फ़ालिस रस, शद्ध मिला पानी, लीमू पानी और नमकीन छाछ 'इस्ति'माल कीजिये ﴿14﴾ छाछ में काला नमक और पिसी हुई अजवाँन मिला कर पीने से गरमी कम लगती और वज़न भी कम होता है ﴿15﴾ याय, कोफ़ी, उबले हुए अन्डे, ज़ियादा भीठे शरबत, भूष भीठी डिशों, कोल्ड ड्रिंक्स, ज़ियादा घी तेल वाले पानों और देर में हज़्म होने वाली गिज़ाओं नीज़ केफ़ीन (Caffeine) वाली अश्या म-सलन चॉकलेट वगैरा का 'इस्ति'माल कम से कम कीजिये ﴿16﴾ बाज़ारी शरबतों और गोले गन्डों का 'इस्ति'माल पैसे दे कर बीमारियां ज़रीदने के मु-तरादिक है ﴿17﴾ तेज़ धूप से आते ही पसीने से शराबोर ठन्डा पानी पीना नुकसान देह है ﴿18﴾ कदू शरीफ़, बेंगन, युकन्दर, भूली वगैरा सब्जियों का 'इस्ति'माल भूष बढ़ा दीजिये ﴿19﴾ स-हरी व 'इफ़्तारी में पानी और दही का 'इस्ति'माल ज़ियादा कीजिये ﴿20﴾ गर्भियों में आम, आड़ू, भूषानी, अमरूद, ज़रबूज़ा, तरबूज़, जिस्म को तुवानाई बज्शने के साथ साथ जिगर (Liver) और मे'दे की गरमी भी दूर करते हैं नीज़ मौसिम के दीगर इलों का भी भूष 'इस्ति'माल कीजिये ﴿21﴾ सादा और हलकी गिज़ा 'इस्ति'माल इरमाईये, ज़जला इनी, कबाब, समोसों, पकोड़ों वगैरा तली हुई चीज़ों का 'इस्ति'माल बहुत कम कीजिये, बढे 'न से दूर ही रहिये ۞ شَاءَ اللَّهُ ۞ पुढ ही इअेदा देष लेंगे और र-मज़ानुल

इरमाने मुस्तफ़ा: صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ: जो लोग अपनी मजलिस से अल्वाह के जिंक और नबी पर दुइद शरीक पढे बिगैर उठ गये तो वोह बढबुद्दर मुद्दर से उठे. (شعب الایمان)

मुबारक के रोजों और दीगर एबादतों में आसानी हासिल होगी ﴿22﴾ स-हरी व एइतार में जाना कम पाएये ﴿23﴾ झोम के गढेले पर सोने से बयिये ﴿24﴾ छोटे बय्यों और बुजुर्गों को गरमी से बयाने की जियादा जरूरत है ﴿25﴾ रहुम पाते हुअे अपने मवेशियों और मुर्गियों वगैरा को भी गरमी से बयाने की तदबीर कीजिये.

इलों का जादशाह (आम)

**“आम ली रब्बे करीम की क्या भूज ने’मत है” के पय्यीस
हुइइ की निरबत से आम के 25 म-दनी झूल**

गरमी के मौसिम में आने वाला आम, अल्वाह तआला की बहुत ही प्यारी ने’मत है, एस के बे शुमार इवाएद हैं : ❀ आम नया भून बनाता है, आम आंतों को कुव्वत देता, मे’दे, गुर्दे, मसाने और आ’साब को ताकत बप्शता है ❀ आम जाने से तेजाबियत (Acidity) के मरज में इअेदा होता है अलबत्ता कारबोईड (Carbide) नामी केमीकल के जरीअे पकाया हुवा आम जाने से तेजाबियत कम होने के बजाअे बढ सकती है ❀ जिस को नींद न आती हो वोह अेक आम पा कर ठन्डा दूध पी ले ❀ نِيْنْدُ آا جِآِآِغِي आम का एस्ति’माल केन्सर वालों और दिल के मरीजों के लिये इअेदा मन्द है ❀ आम जाने से मोटापा आता है ❀ आम कब्ज दूर करता है ❀ आम जाने के बा’द दूध या दूध की लस्सी (या’नी दूध मिला पानी) या थोडे से जामन पा लेने से एस की गरमी दूर हो जाती है. अगर दूध से गेस होता हो तो थोडी सी अदरक मिला लेनी याहिये ❀ भीठे और ताजा आम का थोडा सा गूदा

﴿رَبِّهِمْ﴾
 ફરમાને મુસ્તકા : عَلَّمَ اللَّهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुझ पर रोजे जुमुआ दो सो बार दुरेदे पाक पढा उस के दो सो साल
 के गुनाह मुआफ़ां होंगे. (جمع الجوامع)

હામિલા કો રોઝાના ખિલાયા જાએ તો **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ** બચ્યા તન્દુરુસ્ત
 પૈદા હોગા ❀ દૂધ પિલાને વાલી ઔરત આમ ખાએ કે ઈસ સે દૂધ બઢતા
 હૈ ❀ આમ ખ્યાસ બુઝાતા હૈ ❀ કાટ કર ખાને કે બજાએ આમ યૂસ કર
 ખાના બેહતર હૈ ❀ આમ ખા કર કચ્ચી લસ્સી (યા'ની દૂધ મિલા પાની)
 પીના આંખોં કી રોશની ઔર બદન કી કમઝોરી દૂર કરને કે લિયે મુફીદ
 હૈ ❀ આમ હમેશા ઠન્ડા કર કે ઈસ્તિ'માલ કરના યાહિયે ❀ બિગૈર ઠન્ડા
 કિયે આમ ખાના બદન પર ફોડે ફુન્સિયાં ઔર આંખોં કી બીમારિયાં પૈદા
 કર સકતા હૈ ❀ આમ કમ મિકદાર મેં ખાઈયે ❀ આમ ઝિયાદા ખાને સે
 જિગર (Liver) કી કમઝોરી ઔર મ-રઝે ઈસ્તિસ્કા કા અન્દેશા હૈ જિસ
 મેં પેટ બઢ જાતા હૈ ઔર ખ્યાસ બહુત લગતી હૈ ❀ આમ કી સૂખી ગુઠલી
 કે બારીક પિસે હુએ 3 ગ્રામ મગ્ઝ કો પાની કે સાથ ખાને સે દસ્તોં
 (મોશન, Motions) કે મરઝ મેં ફાએદા હોતા હૈ ❀ ઔરતોં કો મખ્સૂસ
 અચ્યામ મેં ખૂન ઝિયાદા આતા હો, તો આમ કી સૂખી ગુઠલી કે મગ્ઝ કા
 પાવડર સુબ્હ વ શામ એક એક ચમ્મચ ખાને સે **إِنَّ شَاءَ اللَّهُ** ફાએદા હો
 જાએગા. ખૂની બવાસીર કે લિયે ભી યેહ ઈલાજ મુફીદ હૈ ❀ કલમી
 આમ સકીલ (યા'ની મે'દે કે લિયે ભારી) ઔર દેર સે હઝમ હોતા હૈ.
 (કલમી આમ કી કાફી કિસ્મેં હૈં : સરોલી, લંગડા, ચોંસા ઔર સંધડી વગૈરા ભી
 ઈન મેં શામિલ હૈં) ❀ બલ્ગમી યા સફરાવી મિઝાજ વાલોં કો નહાર મુંહ
 (યા'ની ખાલી પેટ) આમ નહીં ખાના યાહિયે કે ઈસ સે મે'દે કો નુક્સાન
 પહોંચતા ઔર ઉસ મેં ગરમી પૈદા હોતી હૈ ❀ ખટ્ટા આમ ખાને સે ગલે
 ઔર દાંતોં કો નુક્સાન હોતા હૈ, ઈસ સે ઝુકામ ઔર ખૂન મેં ખરાબી ભી
 પૈદા હો સકતી હૈ ❀ આમ પેશાબ લાતા હૈ ❀ આમ ઔર દીગર ફલોં કો

करमाने मुस्तफ़। صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : मुज पर दुरद शरीफ़ पढो, अल्लाह उरुल तुम पर रहमत भेजेगा. (अिन एदी)

पकाने के लिये कारबोर्ड (Carbide) नामी केमीकल ईस्ति'माल डिया जाता है, लिहाजा कुछ देर पानी में भिगोने के बाद अरुणी तरल धो कर ईस्ति'माल कीजिये. “कारबोर्ड” की मा'भूली सी भिकदार भी पेट में जाने से भे'दे और आंतों की बीमारियों के ईलावा केन्सर का भी भतरा पैदा होता है ❁ आम अरुणी तरल धो लीजिये ताके ईस की गूँद साफ़ हो जाये वरना वोह गले में भराश का सभल बन सकती है. ❁ हाई शूगर के मरीज डॉक्टर के भश्वरे के भिगैर आम न खाएं.

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

“या रब्बे करीम ! मदीने में तरबूज खिला”
के पस्थीस हुर्रु की निरुभत से
तरबूज के 25 म-दनी झूल

❁ भेरे आका आ'ला हजरत, भौलाना शाह ईभाम अहमद रजा भान عَلَيْهِ رَحْمَةُ الرَّحْمٰن रिवायत नकल करते हैं : “भाने से पहले तरबूज भाना पेट को भूभ धो देता है और बीमारी को जड से भत्म कर देता है.” (इतावा र-अविख्या, जि. 5, स. 442) ❁ काली भिर्य, काला जीरा और नभक भारीक पीस कर अेक भोतल में भडकूज कर लीजिये, तरबूज पर छिडक कर ईस्ति'माल कीजिये, ईस तरल तरबूज की लज्जत में भी ईजाड़ा हो जायेगा और वोह صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ हाजिमे की बेहतरीन दवा साभित होगा और लूक भी यभक उठेगी ❁ तरबूज भीठा होने की पहयान : तरबूज के भुकभल छिल्के या धारियों का या छिल्के पर गोल धब्बे हों तो उन का सभल रंग जितना गहरा होगा उतना ही صَلَّى اللهُ عَلَيْهِ وَآلِهِ अन्धर से

इरमाने मुस्तक: عَلَى اللَّهِ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ : मुञ पर कसरत से दुर्रुदे पाक पढे बेशक तुम्हारा मुञ पर दुर्रुदे पाक पढना तुम्हारे गुनाहों के लिये मङ्किरत है. (अबिन् एसक)

लाल और मीठा निकलेगा. तरबूज पर हलका सा हाथ मारने पर मध्यम सी आवाज आना उस के उम्दा और पक्के होने की अलामत है ❀ अगर हामिला औरत तकरीबन 125 ग्राम तरबूज में थोडा सा शहद मिला कर रोजाना खाये तो अल्हाल तआला की रहमत से भूष सूरत और तन्दुरुस्त बय्या पैदा होता है ❀ तरबूज में ग्लूकोज, फास्फोरस, नशास्ता दार शकरी, हयातीन (विटामिन्स अ, बी), झैलाद, पोटाशियम, केल्शियम और गोशत पैदा करने वाले अजजा पाये जाते हैं ❀ जिन मरीजों को पेशाब रुक रुक कर आता हो वोह तरबूज 'इस्ति'माल करे के येह मसाने को साफ करता है ❀ तरबूज मसाने के दर्द और 'इस के जम्म के लिये बेहतरीन थीज है ❀ तरबूज हिल को ताकत देता है जिगर व मसाना और गुर्दों की गरमी को दूर करता है ❀ तरबूज के 'इस्ति'माल से हाथ पाँउ की जलन, नाइ के मकाम या 'इस के आस पास भोज मा'लूम होता हो या तबीअत बेथैन रहती हो तो झअेदा होता है. मे'दे में जलन हो तो उस की 'इस्वाह करता है ❀ रात हो या दिन तरबूज खा कर ठीपर से पानी न पिये 'इसे खा कर झौरन सो जाने से हैजा (Cholera) हो सकता है ❀ बल्गमी मिजाज वाले, मे'दे के मरीज, जिन को पछों में दर्द हो, पेशाब जियादा आता हो और शूगर के मरीज तरबूज 'इस्ति'माल न इरमायें ❀ तरबूज के छिल्के दूध देने वाले जानवरों को बिलाने से उन का दूध बढ जाता है और जानवर मोटे हो जाते हैं ❀ तरबूज र-मजानुल मुबारक में स-हरी के वक्त खा लेना रोजे में प्यास को तस्कीन देता है ❀ गर्म मिजाज वालों को पास कर र-मजानुल मुबारक में तरबूज मुवाफिक है ❀ तरबूज गरमी के बुजार को झअेदा देता है ❀ जिस दिन तरबूज खायें यावल हरगिज न आयें ❀ गुर्दे और मसाने

✽ **इरमाने मुस्तक** : **صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ** : जिस ने किताब में मुज पर दुइडे पाक लिखा तो जब तक मेरा नाम उस में रहेगा किरिश्ते उस के लिये ईस्तिगफार (या'नी बग्शिश की दुआ) करते रहेंगे. (طبرانی)

की पथरी को तरबूज तोडता है ✽ २-मजानुल मुबारक में ईइतारी (पाना पाने) के दो घन्टे बा'द तरबूज पाईये ✽ तरबूज जिस्म को मोटा करता है ✽ तरबूज दिल को इरहत देता है, तरबूज पून की तेजाबियत और गरमी अत्म करता है ✽ तरबूज टाईफॉईड में बेहतरीन गिजा है ✽ स-इरी के वक्त थोडा सा तरबूज खा लेना सारा दिन लू और गरमी से बचाता है ✽ मुफ्तलिङ् बीमारियों से बचने के लिये गरमी के मौसिम में तरबूज जइर पाना याहिये ✽ पून की कमी, जिगर की कमजोरी, बढ डग्भी, इसाटे पून (या'नी पून की जराबी) और तबपीर दूर करने के लिये तरबूज बेहतरीन गिजा है. (तबपीर या'नी वोड बुभारात (बाप) जे पाने के बा'द डिमाग को बढते और जिस्म को गरमा देते हें) ✽ गर्मियों के २-मजानुल मुबारक में तरबूज का ईस्ति'माल **صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَسَلَّمَ** बेहद इअेदा मन्द है, येड आप की पानी की कमी ली दूर करेगा, आप की तुवानाई (या'नी ताकत) बहाल करेगा और सारा दिन प्यास का अेडसास ली न डोने देगा.

صَلُّوا عَلَى الْحَبِيبِ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَى مُحَمَّدٍ

पूजानी

तिब्बी माहिरिन के मुताबिक पूजानी (या'नी जईआलू) याडे ताजा डो या पुशक ईन्सानी सिङ्हत के लिये डैरत अंगेज इवाईद का डामिल और गिजाईय्यत से लरपूर अेक इल है, ईस का ईस्ति'माल आंणों, आंतों, बुभार और सरतान (Cancer) जैसे अमराज में मुईद है. पूजानी में विटामिन्ज (Vitamins) समेत पोटाशियम इोलाद और

करमाने मुस्तफ़ा. صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ : जिस ने मुज पर ओक बार दुरद पाक पढा अह्लाह उरुस पर दस रडमते नाजिल करमाता है. (مسلم)

बेटा केरोटीन (Beta-carotene) अ कसरत पाये जाते हैं.

“भूआनी ने’मते हक है” के यौदह दुरद की निरबत से भूआनी के 14 म-दनी झूल

❁ भूआनी जिस्म में तुवानाई पैदा करती है ❁ आ’ज तबीबों ने लिखा है के भूआनी आने से उम्र बढ़ती है ❁ भूआनी कण्ठ दूर करती है ❁ भूआनी पूराक को जल्द हज्म करती है ❁ भूआनी उकारें रोकती है ❁ भूआनी जिगर की सफ्ती को दूर करती है ❁ भूआनी सोजिशे मे’दा और अवासीर के लिये मुझीद है ❁ तप-हार (या’नी गरमी के बुभार) में भूआनी पिलाने के आ’द गर्म पानी शह्द मिला कर पिलाना कै लाता है और बुभार उतर जाता है ❁ नज़्वा, जुकाम, गले की अराश और मुंढ की अदबू दूर करने के लिये रोजाना पुशक या ताजा भूआनी के दस दाने सादा पानी के साथ इस्ति’माल करना मुझीद है ❁ भूआनी का मुरब्बा दिल्, मे’दे और जिगर को ताकत देता है ❁ भूआनी के बीज (आदाम) झंङ्कने नहीं याहिएं, येह आये जाते हैं ❁ भूआनी के मग्ज के झ्वाईद भी मग्जे आदाम की तरह हैं, मग्जे आदाम दिमाग के लिये जियादा झ्मेदा मन्द हैं जब के भूआनी के बीज मे’दे के लिये जियादा मुझीद है ❁ भूआनी के दरप्त के पत्ते अगर दौ तोला (या’नी 25 ग्राम) रगड कर पिलाये जायें तो पेट के कीडे इस से मर जाते हैं. (अय्यों के लिये 6 ग्राम काझी है) ❁ येह इन्साना दिल् के लिये इन्तिहाई मुझीद है कयूं के भूआनी की येह भूबी है के वोह कोलेस्ट्रोल को कम करती है.

صَلُّوْا عَلَيَّ الْحَيِّبُ! صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيَّ مُحَمَّدٌ

इरमाने मुस्तफा صَلَّی اللہُ تَعَالَى عَلَیْہِ وَاٰلِہٖ وَسَلَّم : उस शप्स की नाक पाक आवूद हो जिस के पास मेरा जिंक हो और वोड मुज पर दुरेद पाक (طیرانی)

झावसा

झावसे में 81 झीसद पानी के धलावा प्रोटीन, चिकनाई, रेशे (Fibers), नशास्ता (Carbohydrate), कैल्शियम (Calcium), आर्धरन (Iron) और विटामिन्ज (Vitamins) पाये जाते हैं. झावसा प्यास की शिदत को कम करता है और धूप की वजह से जिस्म में पानी की कमी को बेलेन्स करता है, झावसा पून को साफ़ करता है और अड्लाड तआला की धनायत से पून व दिल् के अमराज को अत्म करने की तासीर रभता है. झावसा रुकाम, पांसी, गले की सोजिश और सांस की बीमारी दूर करता है. झावसा निजामे धन्डिजाम (Digestive system) को बेहतर करता है, झावसा कोलेस्ट्रोल (Cholesterol) और ब्लड प्रेशर (Blood pressure) को कन्ट्रोल करता है. झावसे के दरभत के पत्तों में जिद की मुप्तलिङ्ग बीमारियों से शिङा है.

صَلُّوْا عَلَی الْحَبِیْبِ! صَلَّی اللہُ تَعَالَى عَلَی مُحَمَّدٍ

गमे मदीना, अकीअ,
मङ्किरत और बे डिसाअ
जन्नतुल क्कुरदौस में आका
के पडोस का तादिल



र-मजानुल मुबारक 1437 सि.डि.
जून 2016 ध.

मطبुवे	कताब	मطبुवे	कताब
मुससे अल्लिब अल्ताफिने बीरुत	अधुरासफरे	दर अल्लिब अल्मिने बीरुत	हलिह अलाव्वा
रुसाफा अन्डरिशन मरकज अलाव्वा लाहुर	फतावु रशुविये	दर अल्फर बीरुत	अमन हसाकर
मकतिये अल्मदीने बाब अल्मदीने क्राजी	गहर युवलाज	दर अल्फद अल्जिद अल्मसुवरे मरुस	अत्रुद
मकतिये अल्मदीने बाब अल्मदीने क्राजी	अल्लह व अल्लुन की बातिये	दर अल्लिब अल्मिने बीरुत	टुबकत अमन सुद

येड रिसोला पढे लेने के आ'द सवाअ की निर्यत से किसी को द्हे दी जिचे

اَلْحَمْدُ لِلّٰهِ رَبِّ الْعٰلَمِيْنَ وَ الصَّلٰوةُ وَ السَّلَامُ عَلٰى سَيِّدِ الْمُرْسَلِيْنَ اَمَّا بَعْدُ فَاَعُوْذُ بِاللّٰهِ مِنَ الشَّيْطٰنِ الرَّجِيْمِ بِسْمِ اللّٰهِ الرَّحْمٰنِ الرَّحِيْمِ ط

ઉજરત દેને મેં તાખીર ન કરો.

: صَلَّى اللهُ تَعَالَى عَلَيْهِ وَآلِهِ وَسَلَّمَ إِرْمَانَةُ مُسْتَفَاةٌ

“મઝદૂર કી મઝદૂરી ઉસ કા પસીના ખુશક હોને સે પહલે દે દિયા કરો.” (ابن ماجه حديث ۲۴۴۳)

શહે હદીસ : યા'ની મઝદૂરી દેને મેં ટાલ મટોલ ન કરો જિસ વક્ત દેને કા મુઆ-હદા હો ઉસી વક્ત દે દો બિલા તાખીર, લિહાઝા હદીસ પર ન તો યેહ એ'તિરાઝ હૈ કે અગર મઝદૂર કો પસીના ન આયા હો તો ઉસે મઝદૂરી દો હી નહીં, ન યેહ સુવાલ હૈ કે માહવાર તન-ખ્વાહેં દેના મન્અ હૈ, હર દિન કામ કરતે હી દે દી જાએ હદીસ કી ફહ્મ (યા'ની સમઝ) કે લિયે અક્લે કામિલ ઝરૂરી હૈ. (મિરઆતુલ મનાજીહ, જિ. 4, સ. 338)

મક-ત-બતુલ મદીના કી શાખેં

સૂરત : વલિયા ભાઈ મસ્જિદ, ખ્વાજા દાના દરગાહ કે પાસ મો. 9377869225

મોડાસા : ફેઝાને મદીના, બાગે હિદાયત સોસાયટી, કોલેજ રોડ મો. 9725824820

ભરૂચ : ફેઝાને મદીના, મેમણ કોલોની, બુન્યાદ નગર, ડુંગરી શેરપૂરા રોડ મો. 9327522145

બાલાસિનોર : મદીના મસ્જિદ કે સામને, નિસાલ ચૌક મો. 9586327091

જામનગર : પાંચ હાટડી મો. 9327977293



મક-ત-બતુલ મદીના®

દા'વતે ઈસ્લામી

ફેઝાને મદીના ત્રી કોનિયા બગીચે કે પાસ, મિરઝાપૂર, અહમદાબાદ, ગુજરાત, ઇન્ડિયા

Mo.091 93271 68200 E-mail : maktabaahmedabad@gmail.com www.dawateislami.net